डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या–18
दिनांक– मंगलवार, 03 मार्च, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.9 एवं 12.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 48 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 4.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 18.2 एवं दोपहर में 31.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(04–08 मार्च, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 04–08 मार्च, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 29 से 33 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 15 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन 2–4 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले दो से तीन दिन तक पछिया हवा तथा उसके बाद पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 60 से 70 प्रतिशत तथा दोपहर में 20 से 25 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए सरसों की तैयार फसल की कटनी, दौनी एवं सुखाने का कार्य उच्च प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूरा करें। तैयार आलू की खुदाई कर उसे उचित स्थान पर भंडारित करें, क्योंकि भूमि का तापमान 32–33 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुँच गया है। रबी मक्का की धनबाल एवं मोचा निकलने से दाना बनने की अवस्था वाली फसल में पर्याप्त नमी बनाए रखें तथा बढ़ते तापमान को ध्यान में रखते हुए खड़ी फसलों में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें।
- बसंतकालीन मक्का की बुआई करें। जुताई से पूर्व प्रति हेक्टेयर 15–20 टन गोबर की खाद, 40 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें। बुआई हेतु सुवान, देवकी, गंगा 11, शक्तिमान 1 एवं शक्तिमान 2 किस्में अनुशंसित हैं। बीज दर 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें तथा प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम थीरम या कैप्टाफ से उपचारित कर बुआई करें। दाना बनने की अवस्था में फसल में पर्याप्त नमी बनाए रखें।
- गरमा मूंग एवं उरद की बुआई के लिए खेत तैयार करें। जुताई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नत्रजन, 45 किलोग्राम स्फुर, 20 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम गंधक का प्रयोग करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एसएमएल–668, एचयूएम–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में अनुशंसित हैं। छोटे दाने वाली किस्मों के लिए 20–25 किलोग्राम तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 30–35 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज दर रखें और प्रमाणित स्रोत से बीज की व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- सूर्यमुखी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है, अतः 10 मार्च तक बुआई पूर्ण करें। जुताई के समय प्रति हेक्टेयर 100 क्विंटल कम्पोस्ट, 30–40 किलोग्राम नत्रजन, 80–90 किलोग्राम फास्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें। उत्तर बिहार के लिए संकुल किस्में मोरडेन, सूर्या, सीओ–1 एवं पैराडेविक तथा संकर किस्में बीएसएच–1, केबीएसएच–1, केबीएसएच–44, एमएसएफएच–1, एमएसएफएच–8 एवं एमएसएफएच–17 अनुशंसित हैं। संकर किस्मों के लिए 5 किलोग्राम एवं संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज दर रखें तथा बुआई से पूर्व प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ से उपचारित करें।
- बसंत ईख रोपण का उपयुक्त समय है। दोमट एवं ऊँची भूमि का चयन कर गहरी जुताई करें। अनुशंसित प्रभेदों के बीज मेड़ों को कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति लीटर घोल में 15–20 मिनट उपचारित कर रोपण करें। बीज रोगमुक्त खेतों से लें तथा 8–10 माह की स्वस्थ फसल को ही बीज के रूप में उपयोग करें।
- गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई करें तथा 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर गोबर खाद खेत में अच्छी तरह मिलाएँ। कटुआ पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20–30 किलोग्राम बालू में मिलाकर जुताई के समय प्रयोग करें। सब्जियों में समय–समय पर निकाई–गुड़ाई करें तथा वर्षा न होने पर सिंचाई अवश्य करें।
- पशुपालक चारा हेतु मकई एवं बाजरा की बुआई करें। जई, बरसीम एवं लूसर्न जैसी चारा फसलों की कटाई 25–30 दिन के अंतराल पर करें तथा प्रत्येक कटाई के बाद 10 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- ठंड समाप्त होने पर गाय एवं बछियों के मद में आने का समय है। सफल गर्भाधान के लिए संतुलित आहार, पर्याप्त हरा चारा एवं प्रतिदिन 50 ग्राम मिनरल मिक्सचर दें। खुरपका–मुंहपका रोग का टीकाकरण अवश्य कराएँ और जिन पशुओं को जुलाई–अगस्त में टीका लग चुका है, उन्हें पुनः टीका लगवाएँ। टीकाकरण से पूर्व आंतरिक एवं बाह्य परजीवी नाशक दवा अवश्य दें।

आज का अधिकतम तापमानः 29.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 11.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी